



रायपुर, लखनऊ और नई दिल्ली से प्रकाशित

RNI NO. CHHIN/2016/70655



पायानिपर

www.dailypioneer.com | रायपुर, गुरुवार 14 नवम्बर 2024 | पृष्ठ-12 | वर्ष-09, अंक-83 | मूल्य 3.00 ₹

विवर न्यूज़

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने वरिष्ठ प्रकार गोपाल वोरा के निधन पर शोक व्यक्त किया। रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रायपुर के वरिष्ठ प्रकार गोपाल वोरा के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने वोरा के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदन व्यक्त करते हुए इंश्टर से इस कठिन समय में संबल प्रतिन करने की प्रार्थना की है। उन्हें वोरा के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदन व्यक्त करते हुए इंश्टर से इस कठिन समय में संबल प्रतिन करने की प्रार्थना की है। उन्हें वोरा के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदन व्यक्त करते हुए इंश्टर से इस कठिन समय में संबल प्रतिन करने की प्रार्थना की है।



कठिन समय में निधन हो गया है। मुख्यमंत्री साय ने गोपाल वोरा के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने दैनिक नवधारत, देशव्यंध और लोकमत जैसे विभिन्न समाचार पत्रों में कुशलतापूर्वक अपने पत्रकारीय दायित्वों का निवेदन किया।

खरगो-राहुल महाराष्ट्र में कर्णे-दो-दो चुनावी सभाएं नयी दिल्ली।

कांग्रेस अध्यक्ष मलिकाजुन खरोग और संसद में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी महाराष्ट्र में दो दो चुनावी सभाओं को संबोधित करेंगे। खरोग 12 बजे नंदुलार में जीटी पाटिल कॉलेज मैदान में जस्तसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद उनकी दूसरी सभा नादेंद में नई अनाज मड़ी के नजदीक 3.15 बजे होगी।

बुसान को हराकर सिंधु जापान मार्स्टर के दूसरे दौर में क्रमामोटो (जापान)।

भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु ने जापान मास्टर्स में शानदार प्रदर्शन करते हुए थाईलैण्ड की बुसान ऑंगमारुण्यकान को हराकर दूसरे दौर के अगले दौर में जापान बना ली है। सिंधु ने खेले गये मुकाबले में अपने स्पैस और ड्राइस का शानदार प्रदर्शन करते हुए थाई प्रतिविन्दी बुसान को 21-12, 21-8 से शिक्कस दी। दूसरे दौर में भारतीय बिलाई सिंधु का मुकाबला मिशेल ली से होगा। सिंधु की शुरुआत खराब रही और इसका फायदा उठाते हुए बुसान ने पहले गेम की शुरुआत में 5-1 की बढ़त बना ली।

संपादकीय जलवायु परिवर्तन भारत में भारी तबाही

2024 के पहले नूने मीटों में ही 3,200 से ज्यादा मौसूल, 3.2 मिलियन हेक्टेएर में व्यापक फ्रेसल क्षति और 2.3 लाख इमारतें नष्ट होने के साथ, चरम मौसम की घटनाओं के प्रति देश की संवेदनशीलता से इनकर नहीं किया जा सकता है। सेंटर फ़ॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट की 'ईंडिया क्लाइमेट रिपोर्ट 2024' के द्वारा यह देखा गया है कि जलवायु संबंधी आपदाएं न केवल अधिक लगातार हो रही हैं, बल्कि अधिक गंभीर भी हो रही हैं। रिपोर्ट के नियकों से चरम मौसम की घटनाओं में जीवा देश वाली बुद्धि का पता चलता है। 2024 में, भारत को 274 दिनों में से 255 दिनों में जलवायु चरम का सामना करना पड़ा, जो पिछले वर्षों की तुलना में एक रिकॉर्ड है। उल्लेखनीय रूप से, 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में से 33 में अधिक घटनाओं का अनुभव किया, जिसमें कर्नाटक, कर्नल और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों ने 2023 की तुलना में 40 से अधिक अतिरिक्त दिनों तक जलवायु चरम सीमाओं का सामना किया।

गंभीर आंकड़े मानव जीवन और आजीविका पर एक महत्वपूर्ण प्रभाव की ओर इशारा करते हैं।

केरल, मध्य प्रदेश और असम मृत्यु दर के मापदंश में सबसे अधिक प्रभावित राज्य थे, जबकि आंप्रदेश में वर्षों का सबसे अधिक विनाश हुआ और महाराष्ट्र में सबसे अधिक फसल श्रद्धा की ओर इशारा करते हैं। 2024 में उल्लेखनीय घटनाओं में लंबे समय तक चलने वाली हाईटेंच और अधूरा पूर्व संख्या में गर्म रातें शामिल थीं। इसके अलावा, मानसून का मौसम विशेष रूप से विवाहकारी था,

जिसमें जून से सितंबर तक हर एक दिन बाहरी वारिस, बाढ़ और गर्म विशेष रूप से उदाहण के लिए, असम में 111 दिनों में चरम मौसम का सामना किया, जो तीव्र वर्षा और बाढ़ के अथक प्रभाव को उजागर करता है। 2024 की भारत जलवायु रिपोर्ट भी एक महत्वपूर्ण डेटा अंतर की ओर इशारा करती है। जबकि भारतीय मौसम विभाग (एडब्ल्यू) ने गर्म रातों जैसी घटनाओं पर नजर रखने में प्रगति की है, लेकिन इसमें पूर्ण तापमान वैचारिक का अधार है, जिसका उत्पादन कई अन्य देशों की स्टोरीकोटों को लिए रखता है। जलवायु से संबंधित नुकसानों पर व्यापक, वास्तविक समय के डेटा की कमी राखना और संसाधन आवंटन में बाधा डालती है, खासकर संवेदनशील लोगों में। कई लोगों ने बात की भेदभाव में योगदान दिया है, जिन्हें संबोधित किया जाना चाहिए। असंतुलित विकास, जलवायु प्रभाव के प्रति कम सम्मान औंग पहाड़ियों में बेहतरा निर्माण की अनुमति देना बढ़ होना चाहिए। 1% खाराव विकासका 5% का यह पैटर्न प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव को और खाराव करता है, खाराव बुनियादी ढाँचे या अनियोजित शहरी फैलाव वाले क्षेत्रों में बदल देता है। जैसे-जैसे दुनिया पूर्व-ओंडियन खसरों से ऊपर 2024 के स्थिति प्रभावी अपदानों के लिए अधिक स्थान देती है, भारत की अधिकारीय संस्थानों और सर्वोचिनक जागरूकता की तलात आवश्यकता का संकेत देती है। 1% भारत जलवायु रिपोर्ट 2024% जलवायु नियन्त्रित की बढ़ती लागतों की एक अंगैर याद दिलाती है। एक साधारण और तल्काल प्रारंभिक विश्वास का आवश्यकता है, जिसमें बेतर डेटा संहार, टिकाऊ शहरी नियोजन और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने के उद्देश्य से नीतियां शामिल हों। तभी भारत अपने लोगों और पर्यावरण की रक्षा करने की उम्मीद कर सकता है।

एकस (पूर्व में टिवटर) पर मस्क की सक्रिय उपलब्धि और मीडिया आलोचना के बिलायत दूंगा का मुख्य व्यापार, विशेष रूप से टेक्सास, ऐंसेल्विनिया, जॉर्जिया, उत्तरी कैरोलिना और फ्लोरिडा जैसे स्विंग राज्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दूंग और मस्क के बीच इस अपरंपरागत गवर्नर ने अटकलों और अश्वन्य को जन्म दिया है, यहां तक कि बांगलादेश के मुख्य सलाहकार मुख्यमंत्र यूनस जैसे विदेश में भी लोगों को प्रभावित किया है। पहले दूंग की आलोचना करने वाले यूनस दूंग की सफलता के बाद अनिच्छुक प्रशंसक

को विद्युत ऊर्जा - छतीसगढ़ में बुनौतियों से भरा एक शताब्दी का सफर

विकास शर्मा
प्रकाश अधिकारी, छतीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी, रायपुर

जीवन की अनिवार्यता हो गई है। लेकिन बाया आज की पीढ़ी इस बात को स्वीकार करनी की भारत में सिफ्ट 150 वर्ष पहले यह विद्युत ऊर्जा शब्दों के परिवेश में यह सिफ्ट एक शताब्दी का मामला है। स्वतंत्रता के पश्चात देश को प्रगति के पथ पर ले जाने के लिए विद्युत ऊर्जा के महत्व को समझा गया और इसे गति प्रदान करने के लिए भारतीय विद्युत ऊर्जी अधिनियम 1948 लागू किया गया। उस दौर में छतीसगढ़, सेंट्रल प्राविस तथा बाहरी प्रांत का उत्पादन और बिजली के लिए इन्डिया के लिए एक शताब्दी का मामला है। स्वतंत्रता के पश्चात देश को प्रगति के पथ पर ले जाने के लिए विद्युत ऊर्जा के महत्व को समझा गया और इसे गति प्रदान करने के लिए भारतीय विद्युत ऊर्जी अधिनियम 1948 लागू किया गया। उस दौर में छतीसगढ़, सेंट्रल प्राविस तथा बाहरी प्रांत का उत्पादन और बिजली के लिए इन्डिया के लिए एक शताब्दी का मामला है। स्वतंत्रता के पश्चात देश को प्रगति के पथ पर ले जाने के लिए विद्युत ऊर्जा के महत्व को समझा गया और इसे गति प्रदान करने के लिए भारतीय विद्युत ऊर्जी अधिनियम 1948 लागू किया गया। उस दौर में छतीसगढ़, सेंट्रल प्राविस तथा बाहरी प्रांत का उत्पादन और बिजली के लिए इन्डिया के लिए एक शताब्दी का मामला है। स्वतंत्रता के पश्चात देश को प्रगति के पथ पर ले जाने के लिए विद्युत ऊर्जा के महत्व को समझा गया और इसे गति प्रदान करने के लिए भारतीय विद्युत ऊर्जी अधिनियम 1948 लागू किया गया। उस दौर में छतीसगढ़, सेंट्रल प्राविस तथा बाहरी प्रांत का उत्पादन और बिजली के लिए इन्डिया के लिए एक शताब्दी का मामला है। स्वतंत्रता के पश्चात देश को प्रगति के पथ पर ले जाने के लिए विद्युत ऊर्जा के महत्व को समझा गया और इसे गति प्रदान करने के लिए भारतीय विद्युत ऊर्जी अधिनियम 1948 लागू किया गया। उस दौर में छतीसगढ़, सेंट्रल प्राविस तथा बाहरी प्रांत का उत्पादन और बिजली के लिए इन्डिया के लिए एक शताब्दी का मामला है। स्वतंत्रता के पश्चात देश को प्रगति के पथ पर ले जाने के लिए विद्युत ऊर्जा के महत्व को समझा गया और इसे गति प्रदान करने के लिए भारतीय विद्युत ऊर्जी अधिनियम 1948 लागू किया गया। उस दौर में छतीसगढ़, सेंट्रल प्राविस तथा बाहरी प्रांत का उत्पादन और बिजली के लिए इन्डिया के लिए एक शताब्दी का मामला है। स्वतंत्रता के पश्चात देश को प्रगति के पथ पर ले जाने के लिए विद्युत ऊर्जा के महत्व को समझा गया और इसे गति प्रदान करने के लिए भारतीय विद्युत ऊर्जी अधिनियम 1948 लागू किया गया। उस दौर में छतीसगढ़, सेंट्रल प्राविस तथा बाहरी प्रांत का उत्पादन और बिजली के लिए इन्डिया के लिए एक शताब्दी का मामला है। स्वतंत्रता के पश्चात देश को प्रगति के पथ पर ले जाने के लिए विद्युत ऊर्जा के महत्व को समझा गया और इसे गति प्रदान करने के लिए भारतीय विद्युत ऊर्जी अधिनियम 1948 लागू किया गया। उस दौर में छतीसगढ़, सेंट्रल प्राविस तथा बाहरी प्रांत का उत्पादन और बिजली के लिए इन्डिया के लिए एक शताब्दी का मामला है। स्वतंत्रता के पश्चात देश को प्रगति के पथ पर ले जाने के लिए विद्युत ऊर्जा के महत्व को समझा गया और इसे गति प्रदान करने के लिए भारतीय विद्युत ऊर्जी अधिनियम 1948 लागू किया गया। उस दौर में छतीसगढ़, सेंट्रल प्राविस तथा बाहरी प्रांत का उत्पादन और बिजली के लिए इन्डिया के लिए एक शताब्दी का मामला है। स्वतंत्रता के पश्चात देश को प्रगति के पथ पर ले जाने के लिए विद्युत ऊर्जा के महत्व को समझा गया और इसे गति प्रदान करने के लिए भारतीय विद्युत ऊर्जी अधिनियम 1948 लागू किया गया। उस दौर में छतीसगढ़, सेंट्रल प्राविस तथा बाहरी प्रांत का उत्पादन और बिजली के लिए इन्डिया के लिए एक शताब्दी का मामला है। स्वतंत्रता के पश्चात देश को प्रगति के पथ पर ले जाने के लिए विद्युत ऊर्जा के महत्व को समझा गया और इसे गति प्रदान करने के लिए भारतीय विद्युत ऊर्जी अधिनियम 1948 लागू किया गया। उस दौर में छतीसगढ़, सेंट्रल प्राविस तथा बाहरी प्रांत का उत्पादन और बिजली के लिए इन्डिया के लिए एक शताब्दी का मामला है। स्वतंत्रता के पश्चात देश को प्रगति के पथ पर ले जाने के लिए विद्युत ऊर्जा के महत्व को समझा गया और इसे गति प्रदान करने के लिए भारतीय विद्युत ऊर्जी अधिनियम 1948 लागू किया गया। उस दौर में छतीसगढ़, सेंट्रल प्राविस तथा बाहरी प्रांत का उत्पादन और बिजली के लिए इन्डिया के लिए एक शताब्दी का मामला है। स्वतंत्रता के पश्चात देश को प्रगति के पथ पर ले जाने के लिए विद्युत ऊर्जा के महत्व को समझा गया और इसे गति प्रदान करने के लिए भारतीय विद्युत ऊर्जी अधिनियम 1948 लागू किया गया। उस दौर में छतीसगढ़, सेंट्रल प्राविस तथा बाहरी प्रांत का उत्पादन और बिजली के लिए इन्डिया के लिए एक शताब्दी का मामला है। स्वतंत्रता के पश्चात देश को प्रगति के पथ पर ले जाने के लिए विद्युत ऊर्जा के महत्व को समझा गया और इसे गति प्रदान करने के लिए भारतीय विद्युत ऊर्जी अधिनियम 1948 लागू किया गया। उस दौर में छतीसगढ़, सेंट्रल प्राविस तथा बाहरी प्रांत का उत्पादन और बिजली के लिए इन्डिया के लिए एक शताब्दी का मामला है। स्वतंत्रता के पश्चात देश को प्रगति के पथ पर ले जाने के लिए विद्युत ऊर्जा के महत्व को समझा गया और इसे गति प्रदान करने के लिए भारतीय विद्युत ऊर्जी अधिनियम 1948 लागू किया गया। उस दौर में छतीसगढ़, सेंट्रल प्राविस तथा बाहरी प्रांत का उत्पादन और बिजली के लिए इन्डिया के लिए एक शताब्दी का मामला है। स्वतंत्रता के पश

धान खरीदी आज से... पिछले सत्र का कमीशन अब तक समितियों को नहीं मिला, मॉड्यूल साप्टवेयर में तकनीकी त्रुटि के बीच होगी खरीदी

अनदाताओं का महाउत्सव : 3100 रुपए की दर से होगी खरीद, 1,32,468 किसानों का पंजीयन, 59 समितियों में 9 लाख 34 हजार बारदानों के घोटाले पर जांच अब तक पूरी नहीं हो सकी

पायनियर संवाददाता ✍ राजनांदगांव

www.dailypioneer.com

अब तक सहकारी समितियों को सत्र 2023-24 में धान खरीदी के कमीशन का भुगतान नहीं किया गया है। जबकि मार्केफंड ने

पहले ही

राजनांदगांव

जिले में 59 समितियों

से गयब 9

लाख 34 हजार

से ज्यादा बारदानों

के एजेंज में ढाई करोड़ की राशि

कठने के कारबाइ की है।

इस पूरे मामले में सहकारीता

उपर्युक्त ने जांच के आदेश दिए थे।

26 अक्टूबर को इसकी मूल्य पूरी

हो चुकी है। वहीं धान खरीदी के

लिए उपर्योग में लाए जा रहे मॉड्यूल साप्टवेयर में इस बार भी अनानंद बारदानों की एंटी के लिए विकल्प नहीं जोड़ा गया है। इस विकल्प को

हटाए जाने के चलते समितियों में आने वाले अमानक बारदानों का बोझ समितियों पर पड़ रहा है।

धान खरीदी का कमीशन भुगतान

न किए जाने से समितियों की हालत खस्ता है। समितियों का स्थाना

खर्च से लेकर बेतन व अन्य खर्चे

इसी राशि से होते हैं। लेकिन

मार्केफंड की ओर से अब तक

भुगतान नहीं किया गया है।

राशि न आने पर समितियों को

जमा रकम पर मिलने वाले

बाज का नुकसान भी उत्तरा पड़

रहा है जिससे समिति को आर्थिक

क्षति हो रही है। ये राशि समिति के

अशायक किसानों को मिलती है।

बहरहाल, प्रक्रिया के तहत धान

विक्रय के 48 घंटों में किसानों को

समर्थन मूल्य की राशि उन्हें खाते में

अंतरित कर दी जाएगी। सरकार ने

धान का समर्थन मूल्य 3100 रुपए

तथा किया है। इसमें से 2183 रुपए

की रकम किसानों को धान बेचते ही

मिल जाती है। शेष अंतर की राशि

प्रति विक्रेता 917 रुपए का भुगतान

राज्य सरकार कृषक उन्नति योजना

के माध्यम से करती है।



मिल जाती है। शेष अंतर की राशि प्रति विक्रेता 917 रुपए का भुगतान राज्य सरकार कृषक उन्नति योजना के माध्यम से करती है।

282 धान खरीदी कोंद्र हैं।

अविभाजित राजनांदगांव जिले में

इस बार लगभग सवा 2 लाख

किसानों से लगभग 144 लाख

विक्रेता धान खरीदी का लक्ष्य रखा

गया है। किसानों के लिए 14 नवंबर

से 31 जनवरी 2025 के मध्य

3100 रुपए प्रति विक्रेता के

समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की

जाएगी। यिन्हें साल 1,28,069

किसानों ने पंजीयन करवाया था। इस

बार नए किसानों सहित कुल

1,32,468 ने पंजीयन करवाया है।

खरीदी के लिए 50 प्रतिशत नए और

50 प्रतिशत पुराने बारदानों का

इस्तेमाल किया जाएगा। राजनांदगांव

में 96, मोहला मानपुर अंबागढ़

चौकी में 27 समितियां हैं। सरकार ने

इस बार धान खरीदी इलेक्ट्रॉनिक

तराजू से किए जाने का ऐसला

लिया है। केंद्रों में नए तराजू पहुंच

गए हैं। इनकी तौल की प्रमाणिकता

का काम पूरा कर लिया गया है।

बुधवार को लौटे प्रबंधक-कर्मचारी

हड्डाल पर ग्रंथांक और कर्मचारी बुधवार को ही केंद्रों पर वापस लौटे हैं। इससे

पहले समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की जिम्मेदारी नोडल अधिकारियों

को सीधी बात थी। जब प्रबंधक और कर्मचारी केंद्रों में वापस लौटे तो इसमें कई

किसियों मिली बुधवार को कई केंद्रों में देते रहत तब व्यवस्था बाबले का कार्य जारी

रहा। धान के भंडारण, सुरक्षा हेतु कैप कवच और दूरसंचारों पर जारी किया गया।

सरकार ने मानी जाएगी

समितियों में बारदान घोटाले की जांच और वह सत्र की खरीदी के बीच प्राथमिक कृषि

साथ सहकारी समितियों के प्रबंधकों और कर्मचारी बुधवार पर चले गए थे। इस

बीच 10-11 नवंबर को हड्डाल कर दें संघ के प्रतिनिधित्वांक और सरकार के बीच

बातचीत में कुछ मुद्दों पर समझौती बनी जिसके लिए बहुल अंदरूनी अपेक्षित था। सहकारिता द्वारा सहकारी समिति कर्मचारी नोडल पर आपस में संचोयन किये जाएंगे। आईएन ने 11 नवंबर 2024 को जारी कर दिये गए। माह भर के शीर्षतर धान का उत्तरांतर अब मुद्दों के विकल्प की दिशा में भी प्रयास किए गए हैं।

मोहारा मेला आज से... बैकुंठ चतुर्दशी से संक्रान्ति तक शिवनाथ किनारे उमड़ेगी भीड़

पायनियर संवाददाता ✍ राजनांदगांव

www.dailypioneer.com

कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर परंपरागत

शिवनाथ नदी किनारे में लगते हैं।

जिला सहकारी

केंद्रीय बैंक राजनांदगांव के दारारे में

4 जिले शामिल हैं। इनमें कुल 222 समितियों के



दुकानों से लेकर छोटे-बड़े झूले लगाए

जाते हैं, जहाँ बड़ी संख्या में लोगों की भौंड

उमड़ते हैं। बड़ी संख्या में लोग ज्ञान

कर मेले का आनंद उत्तरते हैं। मेला में

सुरक्षा के लिए जिला प्रशासन, पुलिस

प्रशासन व निगम निगम भी अलंकृ

त है। नदी तट के किनारे पुलिस बल व

गोलांग भी नदीनात किए जाएंगे। भवतीं

की भौंड पर नजर रखने वालों को

भी नदीनात करने की तैयारी है।

तीनों दिन होंगे सांस्कृतिक आयोजन

मोहारा मेला में तीनों दिन शाम में मोहरांजन के लिये सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन होगा। 14 नवंबर को संध्या 6 बजे से नरेश वर्मा का मय देंगे और लोटारा जाने वाले या दूरसंचार अंदरूनी बोर्डर के प्रस्तुति दी जायेगी। अंतिम दिन 16 नवंबर को विष्णु कश्यप का स्वरधारा की प्रस्तुति होगी। जिसमें कलाकारों द्वारा सुमधुर गीत एवं नृत्य के माध्यम से अपनी कला की प्रस्तुति दी जायेगी।

■ दुधिया रौशनी में खेलें जाएगी 7 ए साइड

हॉकी प्रतियोगिता

पायनियर संवाददाता ✍ राजनांदगांव

www.dailypioneer.com

सीनियर मार्निंग ह

